P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
E: ISSN NO.: 2349-980X Vol-III* Issue-IX* May -2016

''नेपाल के विकास में भारत की भूमिका''

गिरजेश कुमार भारद्वाज
शोधार्थी,
रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग,
इलाहाबाद वि"वविद्यालय
इलाहाबाद

सारांश

भारत का नेपाल के साथ सम्बंध अति प्राचीन है जिसके कारण नेपाल के विकास एवं आर्थिक प्रगति में सर्वाधिक योगदान भारत का ही रहा है। भारत में किसी भी दल की सरकार रही हो वह नेपाल के सामरिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए सदैव यथासंभव सहयोग एवं सम्मान प्रदान किया है और एक अच्छे पड़ोसी की तरह सदैव उसके साथ क्षेत्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर साथ दिया है। सम्बन्धों के उतार–चढ़ाव के बावजूद भी भारत, नेपाल को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

मुख्य शब्द : दृष्टिगत, यथासंभव, सामरिक, अभ्युदय, दृष्टव्य।

प्रस्तावना

प्रकृति और इतिहास ने भारत और नेपाल को इतना एक–दूसरे पर अन्तः निर्भर कर दिया है जिसका दूसरा उदाहरण वि"व में देखने को नहीं मिलता। सीमित आकार, सीमित सैन्य दक्षता एवं सीमित सं"ाधन के बावजूद अपने वि"ोष भौगोलिक स्थिति के कारण नेपाल, भारतीय सुरक्षा के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। नेपाल लगभग तीन ओर से भारत से घिरा है तथा भारत और चीन के मध्य ''अन्तस्थ राज्य'' (Buffer State) के रूप में स्थित है। नेपाल न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी भारत के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्र है।

भारत–नेपाल सम्बंध प्राचीन काल से ही महत्वपूर्ण एवं घनिष्ठतापूर्ण रहे हैं । विकास के लिए नेपाल को जितनी आव"यकता भारत के सहयोग की है, उतनी ही आव"यकता सुरक्षा की दृष्टि से भारत को नेपाल की है । आधुनिक युग में कोयी भी राज्य पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने का दावा नही कर सकता । वि"व का प्रत्येक राज्य किसी न किसी रूप म दूसरे राज्य पर निर्भर रहता है । एक दे"ा की आर्थिक एवं सामरिक परिस्थितियॉ अन्य दे"ा को प्रभावित करती हैं और इन्हीं कारणों से अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंधों का निर्माण होता है । प्रत्येक राष्ट्र अपनी आर्थिक नीति का निर्धारण अपने राष्ट्र की समस्याओं को ध्यान में रखकर करता है । इस सन्दर्भ में जो भी आर्थिक नीति/सहयोग अपनायी जाती है उसका प्रमुख उद्दे"य ''राष्ट्रहित'' होता है । दो दे"ाों के मध्य सम्बंधों के निर्धारण एवं संचालन में उन दे"ाों की राष्ट्रीय राजनीति महत्वपूर्ण भूमिका अभिनीति करती है । पड़ोसी राष्ट्रों के सन्दर्भ में यह सम्भावना और अधिक बढ़ जाती है, कारण– उनके सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक सम्बन्ध शताब्दियों पुरानें होते हैं । अतः उनके राजनीतिक लक्ष्यों और हितों में अधिकां"ातः समानता पायी जाती है । यदि एक राष्ट्र की स्थिति अथवा व्यवस्था में कोयी भी परिवर्तन होता है, तो बहुत दिनों तक दूसरा पड़ोसी राष्ट्र उससे अप्रभावित नहीं रह पाता भारत और नेपाल के सन्दर्भ में यही बात लागू होती है। हिमालयी राष्ट्र नेपाल के सामरिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुये ब्रिटि"ा भारत "आर्थिक और सामरिक हित साधन"के प्रयोजन से नेपाल से सम्बंध बनाना चाहता था[1]। इसी प्रकार चीन में साम्यवादी शासन के अभ्युदय के कारण नेपाल ने बाह्य आक्रमण से अपनी सुरक्षा के विचार से व"ाीभूत होकर भारत के साथ 1950 में ""ाान्ति और मित्रता की सन्धि"[2]सम्पन्न की । राष्ट्रीय सुरक्षा को दष्टिगत रखते हुए भारत, नेपाल में लोकतान्त्रिक व्यवस्था के विकास का समर्थक था । यदि भारत ने नेपाली सेना, पुलिस और प्र"ाासन के पुर्नगठन में कोयी भी सहायता उपलब्ध करायी थी, या विभिन्न विकास कार्यो हेतु प्रचूर आर्थिक सहायता प्रदान की थी तो उसके पीछे यह भारतीय अवधारणा कार्यरत थी कि नेपाल एक स्वतंत्र और शक्ति"ाली राष्ट्र के रूप में विकसित हो जिससे की महा"ाक्तियों के शक्ति–संघर्ष में मोहरे के रूप में उसका प्रयोग न हो सके । इस प्रयोजन से ही नेपाली राजनीतिक जीवन में स्थायित्व लाने के प्रयास में

भारत ने महाराजा त्रिभुवन को राजनीतिक शरण देने, राणा प्रधानमंत्री, नेपाल नरे"ा एवं राजनीतिक दलों के बीच विवाद निपटाने और समय–समय पर आग्रह किये जाने पर अपनें सुझाव देने में कोयी संकोच नही किया[3]। नेपाल के प्रति भारत की नीति का मूल स्वरूप आज भी यही है ।

यदि हम भारत और नेपाल की विदे"ा नीतियों के सन्दर्भ में आर्थिक तत्व पर दृष्टिपात करें तो हम सरलता से समझेगें कि विगत 50 वर्षों में दोनों दे"ाों की विदे"ानीतियों के निर्धारण में आर्थिक तत्व का वि"ोष योगदान रहा है । नेपाल की अर्थव्यवस्था भारत की तुलना मे अत्यन्त लघु है जिसके कारण उसे अपने आर्थिक सम्बन्ध अपने पड़ोसी दे"ाों वि"ोषकर भारत एवं चीन सहित अन्य ए"ियाई दे"ाों से भी रखने होते हैं क्योंकि भारत के साथ उसके सम्बन्ध अति प्राचीन हैं जिसकी भौतिक, आर्थिक परिस्थितियाँ भारत के ही अनुकूल हैं जिसके कारण नेपाल की आर्थिक प्रगति में सबसे अधिक योगदान भारत का ही रहता है । नेपाल के विकास में भारत के योगदान की शुरूआत करें तो सर्वप्रथम स्वतन्त्रता के बाद भारत ने नेपाल के विकास में **''कोलम्बो योजना''** के अन्तर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की । इस योजना के अन्तर्गत ि"ाल्प, ि"ाक्षा, तकनीकि और अनेक परियोजनाओं से सम्बंधित विषय थे। 21 जुलाई, 1953 को नेपाल के तत्तकालीन प्रधानमंत्री मात्रिका प्रसाद कोइराला ने नेपाली मंत्रीपरिषद को बताया कि **''कोलम्बो योजना''** के अन्तर्गत भारत ने नेपाल को सिंचाई योजना के लिए 10 लाख रू0 का अनुदान दिया है, साथ ही नेपाल में भारतीय तथा विदे"ाी आयात पर भारत जो उत्पादन शुल्क लेता है, वह शुल्क अब नेपाल सरकार को ही दे दिया जाएगा, जिससे नेपाल को प्रतिवर्ष 30 से 40 लाख रू0 की आय होगी, उन्होंने संसद को यह भी सूचित किया था कि जुलाई, 1954 से कोलम्बो योजना के अन्तर्गत भारत ने नेपाल को आगामी 4 वर्षो के लिए 50 लाख रू0 देना स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त नेपाल के विभिन्न क्षेत्रो में विकास के लिए 1952 से 1956 तक 4 करोड़ 50 लाख की सहायता दी। कोलम्बो योजना के अन्तर्गत भारत ने नेपाल के 1,534 छात्रों के पढ़ने की व्यवस्था की । इसके अतिरिक्त कोलम्बो योजना के ही तहत 1963–64 में भारत ने नेपाल को 3 करोड़ 70 लाख रू0 से भी अधिक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान की । इसी प्रकार से 1964–1965 के वित्तीय वर्ष में नेपाल को 3 करोड़ 44 लाख रू0 की आर्थिक सहायता दी गयी[4] । इसी प्रकार नेपाल के विकास में निम्न प्रथम पॉच योजनाओं का विवरण इस प्रकार से है–

''नेपाल के योजनाबद्ध विकास में भारतीय योगदान''

योजना	कुल खर्च	विदे"ाी सहायता	प्रति"ात	भारतीय सहायता	प्रति"ात
प्रथम योजना	214.4	382.9	100	82.1	21.44
द्वितीय योजना	596.7	476.0	76	110.0	23.11
तृतीय योजना	1779.0	967.8	54	550.0	54.68
चतुर्थ योजना	3315.5	1508.9	46	563.6	37.36
पंचम योजना	8870.6	4240.8	48	643.6	15.18

उपरोक्त डाटा के अतिरिक्त यहॉ उल्लेखनीय है कि योजनाबद्ध विकास में नेपाल की घरेलू बचत और उसे मिलने वाली विदे"ाी सहायता का निम्नतम अनुपात लगभग 45% रहा है, जबकि प्रथम पंचवर्षीय योजना में उसकी घरेलू बचत से 75% से अधिक उसे विदे"ाी आर्थिक सहायता प्राप्त हुयी, जिसमें भारत का योगदान 8.2 करोड रूपये का था जो कलान्तर में क्रम"ाः 11 करोड़, 55 करोड़, 56.3 करोड़ और 64.3 करोड़ हो गया। नेपाल के योजनाबद्ध विकास में भारतीय योजनागत सहायता के साथ–साथ उस आर्थिक सहायता की भी चर्चा प्रासंगिक होगी जो भारत के द्वारा नेपाल को अनुदान के रूप में समय–समय पर उपलब्ध करायी जाती रही है । 31 मार्च, 1990 तक भारत ने नेपाल को चार सौ बीस करोड़ रूपये का आर्थिकि सहायता उपलब्ध करायी जिसमें से नेपाल ने 377.89 करोड़ की सहायता प्रयुक्त कर ली । 1990–91 में 22.79 करोड़ रूपये की सहायता अनुदान के रूप में प्रदान की गयी[5]। उपरोक्त रा"ाि का विभिन्न क्षेत्रों में प्रति"ात निम्न है[6]–

क्र सं0	योजना	सहायता राशि
1.	हवाई अड्डे एवं पथ	60.9
2.	उघोग	1
3.	डाक–तार	1.2
4.	सामुदायिक योजना	2.7
5.	जल, सिचाई एवं विघुत	26.7
6.	योजना	5.3
7.	कृषि	1
8.	स्वास्थ्य एवं ि"ाक्षा	1.2

उपरोक्त चार्ट के आधार से स्पष्ट होता है कि नेपाल के विकास हेतु दी गयी रा"ाि में सर्वाधिक प्रति"ात सड़क निर्माण एवं हवाई अड्डे के निर्माण में हुआ । तत्तप"चात् सर्वाधिक प्रति"ात सिंचाई एवं कृषि के क्षेत्र में हुआ । इसी प्रकार भारत द्वारा नेपाल के विकास में किये गये योगदान को (मुद्रा में) निम्न चार्ट द्वारा समझा जा सकताहै–

भारत द्वारा नेपाल को प्रदत्त आर्थिक सहायता भारतीय मुद्रा में[7]

क सं0	योजना	सहायता राशि
1.	हवाई अड्डे एवं पथ	200.50
2.	संचार	1.60
3.	जल, सिचाई एवं विघुत	44.27
4.	उघोग	1.84

5.	सामुदायिक योजना एवं पंचाायत विकास	3.57
6.	कृषि एव बागवानी	1.20
7.	शिक्षा	2.28
8.	तकनीकी सहायता एवे प्रशिक्षण	7.33(राशि करोड़ रू0 में)

इस प्रकार भारत, नेपाल के विकास हेतु यथासंभव योगदान देता रहा है । भारत में कोयी भी सरकार रही हो उसने सदैव नेपाल को सम्मान एवं सहयोग दिया है और एक अच्छे पड़ोसी की तरह सदैव उसके साथ घरेलू एवं अन्तराष्ट्रीय मंचों पर रहा है । भारत ही नहीं अपितु चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं रूस जैसी महा"ाक्तियॉ भी अपनी पैठ हेतु नेपाल के विकास में योगदान देती रही हैं जिसे निम्न चार्ट से समझा जा सकता है[8]।

इस प्रकार हम कह सकते है कि नेपाल के विकास में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण राष्ट्रों में सर्वाधिक सहयोग देने में भारत अग्रणी रहा है। नेपाल के साथ सम्बधों को प्रगाढ़ बनाने हेतु न केवल सरकारी म"ाीनरी की एवं सरकार नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों में पूँजी निवे"ा करके उसके विकास में योगदान प्रदान कर रहें हैं अपितु भारतीय उद्योगपतियों तथा नेपाल के उद्योगपतियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सामूहिक पूँजी निवे"ा करके उसके विकास मे योगदान प्रदान कर रहे हैं। व्यक्तिगत क्षेत्र में चलाये जा रहे सामूहिक उद्योगों को निन्न तालिका द्वारा समझा जा सकता है[9]

भारत–नेपाल संयुक्त उद्योग (व्यक्तिगत क्षेत्र)

क्र सं0	उद्योग	सहयोग क्षेत्र
1.	त्रिवेणी इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, नई दिल्ली	चीनी मिल
2.	मैसर्स यूनियन कारबाइड इण्डिया लिमिटेड, कोलकाता	ड्राई बैटरीज
3.	मैसर्स केमीकल कनस्ट्रव"ान कम्पनी लिमिटेड, नई दिल्ली	वनस्पति घी
4.	मैसर्स आई0 टी0 सी0 लिमिटेड (होटल डिवीजन) होटल मौर्य, नई दिल्ली	होटल
5.	अपर गन्ना शुगर मिल्स कलकत्ता, ओए/ओवरसीज एड्रैस	चीनी मिल
6.	मैसर्स मोहन मीकिन्स लिमिटेड, नई दिल्ली, ओए/ मैसर्स हिमालयन ब्रेबरी काठमाण्डू	बोतलों में भरना एव बीयर उत्पादन
7.	मैसर्स ओडिसा इण्डस्ट्रीज लिमिटेड राउरकेला ओए/ मैसर्स नेपाल ओरिण्ड मैग्नेसाइट (प्रा0) लिमिटेड, कांतीपथ, काइमाण्डू	माइनिंगऑफमैग्नेसाइट एण्ड मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ रिफैक्टरीज
8.	मैसर्स ओबेराय होल्लन (इंण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड ,कलकत्ता,ओए/ मैसर्स होटल सांल्टो काठमाण्डू नेपाल	होटल
9.	मैसर्स हैदराबाद एसबैस्टर्स सीमेण्ट प्रोडक्ट्स लिमिटेड हैदराबाद ओए/मैसर्स नेपाल कम्पनी लिमिटेड, थपाथली काठमाण्डू	खनिजों की खोज

इस प्रकार नेपाल के विकास में न केवल भारत सरकार अपितु भारतीय उद्योगपति भी विभिन्न क्षेत्रों में पूँजी निवे"ा करके नेपाल के विकास में योगदान दे रहे हैं । आज तक नेपाली विकास में भारतीय सहायता शीर्षस्थ रही है । नेपाल के मुख्य उद्योगों में सीमेंण्ट, इस्पात, चाय, बिस्किट, सिन्थेटिक कपड़े, जूट, सिगरेट, शक्कर, सूती कपड़े और साबुन आदि हैं । मुख्य कृषि उत्पादन में खाद्यान्न के अतिरिक्त गन्ना, सोयाबीन प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त पर्यटन नेपाल का प्रमुख उद्योग है। भारत ने विकास के क्रम में नेपाल में पथ परिवहन उद्योग, संचार, कृषि विकास, जल विघुत ऊर्जा उत्पादन, f"ाक्षा आदि के क्षेत्र में प्रमुख रूप से सहायता प्रदान की है । उसका व्यापार भारत के साथ सकारात्मक है । नेपाल में भारत के सहयोग एवं सहायता से कई पथ निर्मित हुए हैं, जिनमें से कुछ पथ जैसे– महेन्द्र राजमार्ग, त्रिभुवन राजमार्ग आदि नेपाल की आर्थिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान कर

रहे हैं। इसी प्रकार संचार व्यवस्था के क्षेत्र में भैरवा, विराटनगर, जनकपुर, पौखरा और सिमरा वायुयान स्थल, काठमाण्डू का प्रधान डाकघर, राजधानी में लगी टेलीप्रिन्टर सेवा और भद्रपुर, जनकपुर, विराटनगर, वीरगंज, भैरवा लोटी आदि स्थानों पर टेलीफोन सुविधाएँ भारतीय योगदान से ही हुयी । उपरोक्त परियोजनाओं के सन्दर्भ में निम्न तालिका दृष्टव्य है[10]–

क0 सं0	विकासात्मक परियोजनांए	सहायता राशि (भारतीय मुद्रा में)	सहायता राशि (प्रतिशत में)
1.	पथ एवं वायुयान स्थल	1005.0 लाख	61.8 प्रति"ात
2.	विद्युत एवं सिंचाई	442.7 लाख	27.2 प्रति"ात
3.	कृषि	12.6 लाख	0.8 प्रति"ात
4.	उद्योग	18.4 लाख	2.5 प्रति"ात
5.	संचार	16 लाख	1.0 प्रति"ात
योग	कुल	1094.7 लाख	93.3 प्रति"ात

इसी प्रकार भारत द्वारा नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों में सुचारू रूप से दी जा रही क्षेत्रवार सहायता निम्न प्रकार से हैं[11]

क0 सं0	सहायतागत क्षेत्र	सहायता राशि (भारतीय मुद्रा में	प्रयुक्त सहायता का प्रतिशत
1.	पथ एवं वायुयान क्षेत्र	46.55 करोड़	53 %
2.	सिंचाई, विद्युत एवं जलपूर्ति	29.32 करोड़	33 %
3.	सामुदायिक व पंचायत विकास	3.43 करोड़	4 %
4.	कृषि, प"ुपालन, बागवानी, वन	1.07 करोड़	1 %
5.	ि"ाक्षा और स्वास्थ्य	0.73 करोड़	0.05 %
6.	उद्योग	0.49 करोड़	0.05 %
7.	डाक एवं तार	0.93 करोड़	1 %
8.	अन्य योजनांए	6.06 करोड़	7 %

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि पथ एवं वायुयान क्षेत्र में सर्वाधिक सहायता नेपाल को प्रदान की गयी । वर्तमान समय में भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और विदे"ाी निवे"ा का स्रोतो है साथ ही नेपाल की अर्थव्यवस्था में गति प्रदान करने वाला प्रमुख राष्ट्र भी है।

भारत, नेपाल सम्बंधो में एक उत्तम स्तर तब आया जब दोनों दे"ाों के प्रधानमंत्रियों न 6 फरवरी, 1996 के दिन महाकाली संधि "The Treaty For Integrated Development of Mahakali Basis" पर हस्ताक्षर किए । इस संधि द्वारा 2000 मेगावाट के सामर्थ्य वाले पंचे"वर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का 8 वर्षो में निर्माण करने तथा सराहा और टनकपुर जल भण्डारों का विकास करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया । पंचे"वर प्रोजेक्ट को भारत तथा नेपाल ने संयुक्त एवं समान रूप में 20000 करोड़ रूपये खर्च करके बनाया था। इसके द्वारा नेपाल को मानसून के दौरान 1000 क्यूसेक पानी तथा कम प्रवाह वाले महीनों में 300 क्यूसेक पानी टनकपुर भण्डार से मिलना था तथा इसके साथ ही लगातार 70 मिलियन किलोवाट बिजली नि:"ाुल्क मिलनी थी। इसके साथ ही नेपाल में कोहालपुर महाकाली क्षेत्र के अन्दर 22 पुलों का निर्माण भी करने का समझौता किया गया। महाकाली नदी पर बांध के निर्माण से 6400 मेगावाट पन बिजली पैदा होनी थी, जिसे दोनों राष्ट्रों में समान रूप से उपयोग करना था । इस संधि द्वारा भारत–नेपाल मित्रता, सहयोग तथा विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को काफी शक्ति प्राप्त हुयी[12]। 5 जनवरी, 1999 को भारत–नेपाल की मित्रता को मजबूत बनाने की दि"ाा में एक समझौता हुआ इस समझौते के अनुसार भारत–नेपाल पारगमन संधि जो 5 दिसम्बर, 1998 को समाप्त हो गयी थी उसे 2006 तक के लिए बढ़ा दिया गया[13]। अगस्त 2001 में तत्तकालीन विदे"ा मंत्री जसवन्त सिंह ने नेपाल की सद्भावना यात्रा के दौरान एक सभा को सम्बोधित करते हुए कहा– ''द्विपक्षीय व्यापार के मामले में दीर्घकालीन हितों की दि"ाा में भारत नेपाल के साथ सदैव खड़ा है[14]।'' आयात–निर्यात के सन्दर्भ में देखा जाए तो नेपाल के साथ व्यापार इस तालिका से समझा जा सकता है–

''भारत का नेपाल से आयात–निर्यात''[14](मिलियन डॉलर मे)

वर्ष	आयात		निर्यात		व्यापार अव"ाष
	मूल्य	वृद्धि (प्रतिशत)	मूल्य	वृद्धि (प्रति"ात)	
1980	21-00	0-00	95-00	0-00	74-00
1981	21-00	0-00	95-00	0-00	74-00
1982	19-00	-9-52	85-00	-10-53	66-00
1983	19-00	0-00	85-00	0-00	66-00
1984	44-00	131-58	95-00	11-76	51-00
1985	50-00	13-64	82-00	-13-68	32-00
1986	40-00	-20-00	82-00	0-00	42-00
1987	41-00	2-50	73-00	-10-98	32-00
1988	44-00	7-32	82-00	12-33	38-00
1989	3-00	-93-18	32-00	-60-98	29-00
1990	15-00	400-00	40-00	25-00	25-00
1991	18-00	20-00	45-00	12-50	27-00
1992	17-00	16-00	17-13	11-30	25-00
1993	19-00	15-35	18-00	13-00	23-00
1994	16-00	18-30	21-00	20-00	26-00

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
E: ISSN NO.: 2349-980X Vol-III* Issue-IX* May -2016

''भारत के साथ नेपाल का व्यापारिक विकास (प्रतिशत में)[15]

	2003–04	2004–05	2005–06	2006–07	2007–08
भारत से आयत	**11.00**	**12.60**	**20.80**	**8.10**	**24.70**
कुल व्यापार संतुलन	**10.70**	**10.20**	**25.10**	**19.20**	**22.20**
भारत के साथ व्यापार संतुलन	**7.80**	**3.70**	**33.50**	**11.60**	**42.30**
भारत को निर्यात	**16.40**	**26.40**	**4.60**	**2.50**	**.7.40**
कुल नेपाली निर्यात	**8.00**	**8.90**	**2.60**	**.1.40**	**2.40**
कुल नेपाली आयात	**9.60**	**9.70**	**16.30**	**12.00**	**16.10**
भारत के साथ कुल व्यापार	**12.50**	**16.50**	**15.90**	**6.60**	**16.20**
नेपाल का कुल विदे"ाी व्यापार	**9.10**	**9.50**	**12.40**	**8.60**	**12.90**

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि नेपाल के विकास में भारत का क्या योगदान रहा है? साथ ही यह भी स्पष्ट होता है कि आपसी सम्बधों में उतार–चढाव के बावजूद भी भारत नेपाल को हर संभव, सहायता प्रदान कर रहा है । भारत–नेपाल सम्बंधों को प्रगाढ बनाने और नेपाल के विकास में योगदान देने हेतु 8 से 12 सितम्बर, 2004 के मध्य नेपाली प्रधानमंत्री श्री शेरबहादुर देउबा एवं भारतीय प्रधानमंत्री के बीच मौसम भविष्यवाणी, खेल एवं संस्कृति, विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण समझौता हुआ[16]।

नेपाल के विकास हेतु भारत ने नवम्बर 2005 में नेपाल के आधारभूत संरचना के विकास के लिए 7.5 मिलियन रूपये दिये तथा 1.3 मिलियन रूपये आधुनिक चेक पोस्ट के निर्माण तथा 1.08 मिलियन रूपये मॉनसिक आघात स्वास्थ के लिए प्रदान किये इसी प्रकार मार्च 2007 मे भारत–नेपाल व्यापार संधि को 5 वर्षो के लिए पुनः नवीनीकरण कर दिया गया । भारत, नेपाल के लगभग 70% निर्यात और नेपाल के 2/3 आयात का हिस्सेदार बन गया । इसके अतिरिक्त भारत व्यापार के अलावा ि"ाक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास के लिए लगभग 117 से अधिक प्रोजेक्टों पर नेपाल में कार्य कर रहा है[17]। भारत की कम्पनियां (प्राइवेट सेक्टर एवं पब्लिक सेक्टर्स) नेपाल में सबसे बड़ी निवे"ाक हैं । नेपाल में निवे"ा करने वाली समस्त विदे"ाी कम्पनियों में भारत की हिस्सेदारी 44% है[18]।

India-Nepal Export and Import Data[19]
Value in Rs. LACS

S.N.		2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
1-	Export	420,138.23	606,348.08	715,577.12	725,131.51	1,003,5.329	1,313,024.45	1,680,555.92
2-	% Growth		44.32	18.01	1.34	38.39	33.02	27.99
3-	India's Total Export	57,177,928.52	65,586,352,18	84,075,505.87	84,553,364.38	114,264,897.18	146,595,939.96	163,431,883.77
4-	% Growth		14.71	28.19	0.57	35.14	-28.26	11.48
5-	% Share	0.73	0.92	0.85	0.86	0.88	0.90	1.03
6-	Import	138,450.90	252,725.72	225,567.56	214,646.32	233,895.01	263,933.16	295,806.57
7-	% Growth		82.54	-10.75	-4.84	8.97	12.84	12.08
8-	India's total Import	84,050,631.33	101,231,169.93	137,443,555.45	136,373,554.76	168,346,695.57	234,546,324.45	266,916,195.69
9-	% Growth		20.44	35.77	-0.78	23.45	39.32	13.80
10-	% Share	0.16	0.25	0.16	0.16	0.14	0.11	0.11

11-	Total Trade	558,589.13	859,073.80	941,144.68	939,777.84	1,237,398.30	1,576,957.60	1,976,362.49
12-	% Growth		53.79	9.55	-0.15	31.67	29.16	25.33
13-	India's total trade	141,228,559.85	166,817,522.10	221,519,061.32	220,926,98.14	282,611,598.75	381,142,264.41	430,348,079.46
14-	% Growth		18.12	32.79	-0.27	27.92	34.85	12.91
15-	% Share	0.40	0.51	0.42	0.43	0.44	0.41	0.46
16-	Trade Balance	281,687.32	353,622.36	490,009.56	510,485.19	769,608.28	1,049,091.29	1,384,749.35
17-	India's Trade Balance	-26,872,702.81	-35,644,817.75	53,368049.58	-51,829,190.38	-54,081,798.39	-87,950,384.49	-103,484,311.91

Resource: Department of Commerce Export and Import data

India-Nepal Export And Import Data
Value In Us-$ Millions

S.N.		**2006-07**	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	2011-12	2012-13
1-	Export	927.40	1,507.42	1570.15	1533.31	2,204.40	2,721.57	3,088.84
2-	% Growth		62.54	4.16	-2.35	43.77	25.53	13.49
3-	India's Total Export	126,414.05	163,132.18	185,295.36	178,751.43	251,135.89	305,963.92	300,400.68
4-	% Growth		29.05	13.59	-3.53	40.19	21.83	-1.82
5-	% Share	0.73	0.92	0.85	0.86	0.88	0.89	1.03
6-	Import	306.02	628.56	496.04	452.61	513.40	549.97	543.10
7-	% Growth		105.40	-21.08	-8.75	13-43	7.12	-1.25
8-	India's total Import	185,735.24	251,654.01	303,696.01	288,372.88	369,769.13	489,319.49	490,736.65
9-	% Growth		35.49	20.68	-5.05	28.23	32.33	0.29
10-	% Share	0.16	0.25	0.16	0.16	0.14	0.11	0.11
11-	Total Trade	1,233.42	2,135.98	2,866.19	1,985.93	2,717.80	3,271.54	3,631.94
12-	% Growth		73.18	-3.27	-3.88-	36-85	22.01	11.02
13-	India's total trade	312,149.29	414,786.19	488,991.67	467,124.31	620,905.02	795,283.41	791.137.33
14-	% Growth		32.88	17.89	-4.47	32.92	28.08	-0.52
15-	% Share	0.40	0.51	0.42	0.43	0.44	0.41	0.46
16-	Trade Balance	621.38	878.86	1,074.12	1,080.70	1,690.99	2,171.59	2,545.73
17-	India's Trade Balance	-59,321.19	-88,521.83	-118,400.95	-109,621.45	118,633.24	-183,355.57	-190,335.97

Resource: Department of Commerce Export and Import data Bank

भारत ने अवसंरचना, जल संसाधन, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य, नागरिक उड्डयन पर्यटन और कृषि के क्षेत्रों में नेपाल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया है। सितम्बर 29, 2012 में विदे"ा मंत्रियों की वार्ता में भारत अगले तीन वर्षो में नेपाल के तराई क्षेत्र में 600 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण, दो एकीकृत चेक–पोस्टों और दो सीमा–पार रेलवे लिंक की स्थापना करने का समझौता किया है। दूसरे चरण में अतिरिक्त 800 किलोमीटर सड़कों, तीन सीमा–पार रेलवे लिंक और दो एकीकृत चेक–पोस्टों के निर्माण का भी समझौता किया है। इसी तरह स्वास्थ्य के क्षेत्र में, भारत 200 विस्तरों वाले नेपाल–भारत मैत्री इमर्जेंसी एण्ड ट्रामा सेंटर (छठडम्ब्द्ध, काठमाण्डू को 2012 के अंत तक मेडिकल मुहैया कराने जा रहा है।[20] इसके अतिरिक्त दोनों राष्ट्रों के विदे"ा मंत्रियों ने संयुक्त आयोग की जल्द बैठक आहूत करने की सहमति प्रदान की है। उपलब्ध सूत्रों के अनुसार

बैठक के एजेंडे में आर्थिक सहयोग, व्यापार, पारगमन निवे"ा, जल–संसाधन और सुरक्षा मामलों पर ध्यान दिए जानें की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त बैठक में नेपाल–भारत संधि (1950) पर गौर करने और द्विपक्षीय सीमा नक"ाों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

नेपाल के विकास में भारत की भूमिका के सन्दर्भ में संक्षेप में यही कहा जा सकता है कि भारत का नेपाल के साथ सम्बंध अति प्राचीन है जिसके कारण नेपाल के विकास एवं आर्थिक प्रगति में सर्वाधिक योगदान भारत का ही रहा है। नेपाल के विकास में भारत ने स्वतंत्रता के प"चात् ''कोलम्बो योजना'' के अन्तर्गत आर्थिक सहायता एवं सहयोग की शुरूवात करते हुए आज तक नेपाल के विकास में यथासंभव सहयोग प्रदान कर रहा है। भारत में कोई भी सरकार रही हो वह नेपाल के सामरिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए सदैव सहयोग एवं सम्मान प्रदान किया है और एक अच्छे पड़ोसी की तरह सदैव उसके साथ घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय मंचो पर साथ दिया है। आपसी सम्बंधों के उतार–चढाव के बावजूद भी भारत, नेपाल को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। नेपाल के प्रति भारत की नीति का मूल उद्दे"य ये है कि नेपाल एक स्वतंत्र और शक्ति"ाली राष्ट्र के रूप में विकसित हो जिससे की महॉ"ाक्तियों के शक्ति–संघर्ष में मोहरे के रूप में उसका प्रयोग न हो सके।

उद्देश्य

दोनों सम्बंधित राष्ट्रों के मध्य ब्ठडै स्थापित करते हुए सामूहिक विकास करना।

निष्कर्ष

नेपाल एक स्वतंत्र और शक्ति"ाली राष्ट्र के रूप में विकसित हो जिससे की महा"ाक्तियों के शक्ति–संघर्ष में मोहरे के रूप में उसका प्रयोग न हो सके।

संदर्भ गंथ सूची

1. रांस, एल0 ई0 तथा जो"ाी, बी0 एल0– ''डैमोक्रेटिक इन्नोवे"ान इन नेपाल'', पृष्ठ 24–26
2. तदैव, परि"ाष्ट–1
3. बाजपेयी, गिरजा"ांकर–''नेपाल एण्ड़ इण्डो–नेपालीज रिले"ान्स''।
4. गैरोला, वाचस्पति–''भारत के उत्तर–पूर्व सीमान्त दे"ा'', हिन्दी समिति सूचना विभाग उत्तर प्रदे"ा लखनऊ,
5. संस्करण–1968, पृष्ठ–165।
6. ट्रेड एण्ड टेक्निकल डायरेक्ट्री ।
7. चतुर्वेदी, डॉ0 एस0 के0–''भारत–नेपाल सम्बन्ध'' बी0 आर प्रका"ान, दिल्ली, 1993।
8. चतुर्वेदी, डॉ0 एस0 के0–''भारत–नेपाल सम्बन्ध'' बी0 आर पब्लिके"ान, दिल्ली, 1993।
9. चतुर्वेदी, डॉ0 एस0 के0–''भारत–नेपाल सम्बन्ध'' बी0 आर पब्लिके"ान, दिल्ली, 1993।
10. वर्क"ाप आन ज्वाइंट वैंचर्स एब्राड एण्ड़ प्रोजेक्ट एक्सपोर्टस (रिपोर्ट) एफ0 आई0सी0 सी0 आई0 नई दिल्ली।
11. सन्दर्भ क्रमांक–1
12. पंत, वाई0 पी0–प्राब्लम्स इन फिजिकल एण्ड मानिटरी पॉलिसी, पृष्ठ–61।
13. सिंहल, डॉ0 एस0 सी0, अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण–''भारत की विदे"ा नीति'', संस्करण–2008, पृष्ठ–194।
14. चौहान, डॉ0 राजीव कुमार–''भारत–नेपाल के सामरिक सम्बंध'' आकृति प्रका"ान, संस्करण–2010, पृष्ठ–146।
15. फड़िया, डॉ0 वी0 एल0– ''अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति'', साहित्य भवन पब्लिके"ान, संस्करण–2009, पृष्ठ
16. संख्या–289।
17. शाह, डॉ0 पूर्णिमा– ''सार्क दे"ा के बीच सहयोग और संघर्ष'' आर0 बी0 एस0 ए0 पब्लि"ार्स जयपुर,
18. संस्करण–2001, पृष्ठ–145
19. शुक्ल, डॉ0 कृष्णानन्द–''भारत–नेपाल संम्बंध'', अंकित पब्लिके"ान संस्करण, पृष्ठ–235
20. चौहान, डॉ0 राजीव कुमार, ''भारत और नेपाल के सामरिक सम्बंध'' आकृति प्रका"ान, संस्करण 2010, पृष्ठ